Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

दारमा और व्यास घाटी के लोगों को माइग्रेशन पर जाने की अनुमति

पेज थ्री में प्रकाशित खबर का हुआ असर

असरदार खबर

जिलाधिकारी ने खबर पर लगाई मुहर

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। घाटियों में अब तापमान पूरी तरह बढ़ चुका है। वही लॉकडाउन के चलते माइग्रेशन की इंतजारी में बैठे घाटी के ग्रामीण परेशानी में पड़ चुके है। बता दें कि सीमांत जिले की धारचूला तहसील के अंतर्गत उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित गांवों के सैकड़ों ग्रमीणों के माइग्रेशन में अब दो हफ्ते से ज्यादा देरी हो चुकी है। जहां एक ओर घाटी में तापमान बढ़ने लगा है वही ऐसी परिस्थिति में प्रवासी जनजाति समुदाय के जानवरों के लिए खतरा बढ़ने लगा है।

जानकारी के मुताबिक माइग्रेशन पर जाने वाले प्रवासी लोगों के साथ याक और झुप्पू जैसे हिमालयी जानवर भी है। मगर इन जानवरों को ज्यादा तापमान में रखना खुद को खतरे में डालने जैसा है।

कही न कही बढ़ता हुआ तापमान इन प्रवासी लोगो के लिए चिंता का विषय भी बनने लगा है। ताजा सूत्रों के मुताबिक इस खबर को पेज थ्री में तीन रोज पूर्व पिथौरागढ़ संवाददाता द्वारा प्रमुखता से प्रकाश में लाया गया था।

शीतकाल में प्रवास पर नंवबर में निचले इलाकों धारचूला व बलुवाकोट जौलजीवी में आते है

उतराखण्ड की सीमांत तहसील धारचूला की दारमा और व्यास घाटी में आठ हजार फीट की उंचाई पर बसे गांवों के लोग शीतकाल में प्रवास पर नंवबर में निचले इलाकों धारचूला व बलुवाकोट जौलजीवी में आते है। वही अप्रैल में फिर ये लोग अपने गांवों की ओर लौटना शुरू करते है। लाकडाउन के चलते ये लोग निचले इलाकों में फंसे समुदाय के सैकडों परिवार माइग्रेशन में शामिल है। जहां इन लोगों ने उम्मीद लगाई थी कि 14 के बाद लाकडाउन खत्म हो जाएगा और ये लोग माइग्रेशन पर निकलेंगें मगर इनकी उम्मीद धरी की धरी रह गई। बता दें कि इसमें चीन सीमा से लगे तहसील मुंसयारी के जनजाति मर्तोली मिलम घनघर टोला बुर्फू गांव के लोग शामिल होते है।

बता दें कि माइग्रेशन को लेकर चल रहा उहापोह अब खत्म हो गया है। जनपद के जिलाधिकारी डां वी के जोगदडे ने अब माइग्रेशन पर जाने वालों को प्रशासनिक अनुमति प्रदान कर दी है। देर साय शुक्रवार से दारमा और व्यास घाटी के लोगों को माइग्रेशन पर जाने की अनुमति दे दी है। वही संबधित गांव के ग्रम प्रधानों ने माइग्रेट करने वालें वाले ग्रमीणों की सूचना प्रशासन को सौंप दी है। जिले की दारमा और व्यास घाटी के अंर्तगत आने वाले दर्जन भर के गांव के ग्रमीणों ने माइग्रेशन के लिए अपनी तैयारियां पूरी कर ली है।

दारमा घाटी से माइगेशन पर जाने वाले गांव सेला चल बोगलिग नागलिंग बालिंग दुग्तु दांतू सौन ढाकर तिदांग मार्छा सीपू शामिल है। वही व्यास घाटी के गांव है बंदी गर्बयांग गुजी नावी नपलच्यू रागकांग कुटी शामिल है। ये सभी गांव चीन सीमा से सटे गांव हैं। वही धारचूला के उपजिलाधिकारी एके शुक्ला ने कहा है कि ग्रमीण अपना सामान वाहनों से ले जा सकेगें। वही इन लोगों को सामाजिक दूरी का पालन करना अनिवार्य होगा।

जानकारी के मुताबिक दारमा घाटी के अंर्तगत प्रवास करने वाले ग्रमीणो का चीन सीमा से सटा अंतिम भारतीय गांव तिदांग है। वही व्यास घाटी के लोगों का प्रवास का गांव कुटी है। वही प्रवास की प्रशासनिक अनुमति मिलने के बाद ये ग्रमीण खुश नजर आये। वही अब ये ग्रमीण आसानी से कृषि और पशुपालन का काम कर सकेंगें। नवंबर के बाद ये ग्रमीण फिर घाटी वाले इलाकों में लोट सकेंगें।

क्षेत्र के उपजिलाधिकारी एके शुकला ने बताया कि लाकडाउन हटने के बाद इस बारे में उच्चाधिकारियो से बात कर कोई नतीजा निकाला जायेगा। अप्रैल माह के दो सप्ताह हाथ से निकल चुके है मगर प्रवास पर जाने वाले ग्रमीणों की पीड़ा पर संकट के बादल मंडराने शुरू हो चुके है।

न्यूज डायरी

एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

संवाददाता पिथौरागढ। कोरोना वायरस कोविड 19 के तहत जिले में संक्रमण के बचाव की रोकथाम के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी अधिकारियों को कोविड 19 के अंर्तगत संपन्न विभिन्न प्रकिया सांवधानियों के साथ ही जिले में की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में जिलाधिकारी डां विजय कुमार जोगदडे ने बताया कि कोरोना को लेकर जारी भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार मानक के अनुरूप जिले में बेहतर तैयारी व सुविधाएं है। जिसमें 96 आइसोलेशन बेड के साथ आवश्यक चिकित्सा सामग्री व संसाधन उपलब्ध होने की बात उन्होने रखी। कोरोना को लेकर जिले मे आवश्यक कार्यो को दो भगों में बांटा गया है। जिसमें चिकित्सा व्यवस्था व अन्य आवश्कीय व्यवस्था शामिल की गई हैं। वही इस दोरान कोविड 19 के नोडल अधिकारी ने चिकित्सा संबंधी जानकरी देने के साथ अन्य शंकाओं का समाधान किया। इस दोरान तमाम लोग मौजूद रहे।

देहरा खास क्षेत्र में जरूरतमंदों को खाद्यान्न किटों का वितरण

संवाददाता देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन सेवा भारती द्वारा आज देहरादून के देहरा खास क्षेत्र में जरूरतमंदों को खाद्यान्न किटों का वितरण किया गया। इस अवसर पर संगठन सह मंत्री चरणजीत बत्रा न बताया कि प्रत्येक किट में एक परिवार के 15 दिन का कार्य चल सके और इतना खाद्यान्न दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम यह खाद्यान्न ऐसे लोगों को दे रहे हैं जिनके पास राशन कार्ड की सुविधा नहीं है। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने कोरोना वारियर दून चिकित्सालय के वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. अभय कुमार का पुष्प देकर आभार व्यक्त किया।

चौकी थानों तक पहुंचाए जा रहे जरूरतमंदों के लिए कच्चे राशन के पैकेट

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस कोविड 19 के सक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन की परिस्थिति में जरूरतमंद लोगो की सेवा के लिए आगे आयी क्रेजी वॉरियर संस्था के उपाध्यक्ष अनुराग गोयल ने बताया कि एसपी सिटी श्वेता चौबे के निर्देशन में क्रेजी वॉरियर संस्था के अध्यक्ष वैभव शंखधार द्वारा कच्चे राशन के पैकेट बनाकर देहरादून शहर के कई चौकी थानों तक पहुंचाए जा रहे हैं। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि इन राशन के पैकेट का वितरण जरूरतमंद लोगों के बीच पुलिस प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर इस कार्य के प्रभारी अक्षत जैन ने बताया कि जब तक लॉकडाउन रहेगा तब तक ये सेवा जारी रहेगी।

ग्राफिक ऐरा विश्वविद्यालय ने दिये विधायक जोशी को 500 पैकेट राशन

संवाददाता देहरादून। मसूरी विधायक गणेश जोशी ने बताया कि ग्राफिक ऐरा विश्वविद्यालय की चौयरपर्सन राखी घनशाला ने उनके अनुरोध पर मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अस्थल जिला पंचायत क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को 500 पैकेट राशन प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ कमल घनसाला ने यह भी आश्वस्त किया है कि संकट की इस घड़ी में आगे भी आवश्यकता पड़ने पर विश्वविद्यालय की ओर से हरसम्भव मदद की जाएगी।

इस अवसर पर अस्थल से जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान ने बताया कि ग्राफिक ऐरा विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी सहायता का वितरण अस्थल जिला पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत कार्लीगाड़, फुलेत, सिल्ला, सरोना, बुराशखंडा, मोटीधार, नालीकला, सिमयारी स्थित सभी ग्राम पंचायतो में किया जा चुका है। उन्होंने विधायक जोशी द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे सेवा कार्यों के लिए आभार प्रकट किया। उन्होनें बताया कि राशन के इन पैकेटों में आटा, चावल, दाल, तेल, चीनी, मसाले आदि सम्मिलित है।

नर्सरियों के कार्यो को सुचारू रूप से संचालित करवाया जाए

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

मांग

कृषि मंत्री को भेजे ज्ञापन में जिला प्रशासन को निर्देश दिए जाने की मांग

देहरादून। प्रदेश में उद्यान विभाग उत्तराखण्ड में पंजीकृत सभी फल, सब्जी, सजावटी फूल पौधों की नर्सरियों के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करवाने हेतु जिला प्रशासन को निर्देश दिये जाने की मांग को लेकर कृषि मंत्री सुबोध उनियाल को ज्ञापन प्रेषित करते हुए इस दिशा में कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है।

जारी एक बयान में जान्हवी किसान नर्सरी के अध्यक्ष जेपी मैठाणी ने कहा है कि अभी कुछ समय पूर्व डीडी उत्तराखण्ड के लाइव फोन इन कार्यक्रम में प्रार्थी ने आपको नर्सरी के कार्य जैसे थैला भरान, क्यारियां बनाना, बीज खाद की व्यवस्था, सिंचाई की सुविधा, पॉलिहाउस एवं अन्य उपस्करों के उपयोग तथा उनको बिना किसी रोक टोक के संचालित करवाने हेतु आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि एक प्रार्थना पत्र के माध्यम से इस सम्बन्ध में सूचना आपके मोबाइल नम्बर पर देने को कहा गया है और सहज भाव से अपना मोबाइल नम्बर दिया यह आपकी राज्य के किसानों के प्रति चिंता और प्रेम को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि उसी का अनुपालन करते हुए मैं अनुरोध है कि उत्तराखण्ड राज्य में पंजीकृत एवं गैर पंजीकृत समस्त फल–फूल, सब्जी पौध, सजावटी पौध की नर्सरियों और इंडियन नर्सरी एसोसिएशन के सदस्यों को नर्सरी के कार्यों को कोरोना के दौर में सोशियल डिस्टेंसिंग, मास्क और ग्लब्स आदि के उपयोग के साथ 50 प्रतिशत मानव श्रम सहित संचालित करने हेतु समस्त जनपदों के जिलाधिकारी और जिला उद्यान अधिकारी को आदेशित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस ओर तत्काल जिलाधिकारी व जिला उद्यान अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निर्देशित किया जाये जिससे यह किसान भी अपना रोजगार आरंभ कर सकें।

जरूरतमंदों के लिए मास्क बना रही रामगढ़िया बिरादरी की महिलाएं

संवाददाता देहरादून। रामगढ़िया सभा के तत्वावधान में रामगढ़िया बिरादरी की महिलाएं अपने घरों में जरूरतमंदों को निःशुल्क मॉस्क वितरण के लिए कॉटन के मास्क बनाने का शुभ कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर बताया गया कि रामगढ़िया सभा एक धार्मिक एवं सामाजिक संस्था है जिसका एक मुख्य उद्देश्य निर्धन एवं जरुरतमंदों का सहयोग करना है।

कोरोना संक्रमण के चलते हुए लॉकडाउन में मास्क पहनना सभी के लिए आवश्यक होने के कारण संस्था द्वारा निर्णय लिया गया कि बिरादरी की महिलाएं जो सिलाई का कार्य जानती हैं स्वेच्छा से अपना सहयोग प्रदान कर सेवा का कार्य कर रही हैं। सभा के प्रधान सुरजीत सिंह ने कहा की सभा समय–समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं धार्मिक दिवानों का आयोजन करती रहती है। इस अवसर पर धर्मपुर में बिरादरी जरुरतमंदों को प्रतिदिन भोजन वितरित कर रही है सचिव सेवा सिंह मठारू ने कहा सभा का उद्देश्य पांच हजार से ज्यादा मॉस्क बनाकर जरूरतमंद निर्धनों को वितरित करना है। उन्होंने कहा है कि इस कार्य में विशेष सहयोग जसमीत, बलजीत, परमिंदर, सुरजीत कौर आदि कर रहे हैं।